>

Title: Plight of cotton growers in Vidarbha region of Maharashtra.

श्रीमती भावना पाटील गवली (यवतमाल-वाशिम): सभापति जी, मैं विदर्भ के किसानों की समस्या यहाँ रखना चाहती हूँ। पाँच-छः दिन पहले जब मैं अपने क्षेत्र में गई थी, मेरा विदर्भ का क्षेत्र यवतमाल और वाशिम आता है। हम खेत में काम करते हुए किसानों के पास पहुँचे और कपास उत्पादक किसानों से पूछा कि आपके कपास को कैसा भाव सरकार दे रही है। उन्होंने बताया कि सरकार हमें जो भाव दे रही है, वह बहुत ही कम है। उन्होंने अपनी मांग भी हमारे सामने रखी। उनकी मांग थी कि राज्य सरकार के माध्यम से वहां कपास की जो खरीद होती है, नैफेड और मार्केटिंग फैडरेशंस के माध्यम से कपास की खरीद होती है। लेकिन जो भाव या समर्थन मूल्य हम केन्द्र सरकार की तरफ से देते हैं, उससे कम मूल्य पर वहाँ खरीद हो रही है। हमारे यहाँ 3000 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम निर्धारित मूल्य है। उससे भी कम भाव किसानों को वहां दिया जाता है। वहाँ 2700 और 2800 रुपये भाव दिया जाता है। मेरा सदन से और आपके माध्यम से यह कहना है कि विदर्भ के किसानों में आत्महत्याएँ बढ़ रही हैं। वहाँ जो कपास उत्पादक किसान हैं, उनको उनकी कपास का उचित मूल्य न मिलने के कारण भी ये आत्महत्याएँ बढ़ रही हैं। जहाँ तक हमने देखा है कि सीसीआई की जो खरीद होती है, वह खरीद तो होती है, लेकिन कुछ ही ऐसे सेन्टर्स हैं जहाँ यह खरीद होती है। मेरा कहना है कि सीसीआई की जो खरीद होती है, वह सैन्टर बहुत कम मात्रा में है। 3000 रुपये वहाँ पर भाव सीसीआई से मिलता है, लेकिन नैफेड और राज्य सरकार के माध्यम से जो खरीद हो रही है, उसको भाव नहीं मिल पा रहा है। मेरा यह कहना है कि जहां के किसान कपास उत्पादन करते हैं, जहाँ के किसान हमें कपड़ा देते हैं, वहाँ के कपास उत्पादक किसानों को भाव नहीं मिल पा रहा है। मेरी यहाँ यह मांग है कि विदर्भ के किसानों ने जो आत्महत्याएँ की हैं, वे आत्महत्याएँ रोकने के लिए हमें कपास को 3000 रुपये से ऊपर बढ़ाकर 4000 रुपये न्यूनतम मूल्य देने की आवश्यकता है। ... *

सभापति महोदय : आपने कॉटन के बारे में नोटिस दिया था। वह आपने बोल दिया है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती भावना पाटील गवली : अगर कपास की बात आती है तो किसानों की समस्या पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता है? ...(व्यवधान) जितनी शक्कर महत्वपूर्ण है, उतना ही कपास भी महत्वपूर्ण है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : ये रिकार्ड पर नहीं जाएगा। .... कॉटन के बारे में जो बोला, वही रिकार्ड पर जाएगा। आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती भावना पाटील गवली : इसलिए विदर्भ के किसानों को बचाने के लिए उनकी कपास का भाव बढ़ाने की ज़रूरत है। सरकार इस पर सोचे और जल्द से जल्द इस पर ठोस कदम उठाए, यही मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है।